नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी चुनौती बढ़ता नशा

किसी भी देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा शक्ति होती है. वही शक्ति यदि नशे की गिरफ्त में आने लगे तो यह केवल सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र निर्माण के लिए गंभीर चुनौती बन जाती है. शुक्रवार को मनाए गए अंतरराष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस के अवसर पर यह स्वीकार करने की आवश्यकता है कि भारत, विशेषकर पंजाब जैसे राज्यों में नशे का बढ़ता जाल चिंताजनक स्थिति में पहुंच चुका है.

नशा अब केवल व्यक्तिगत लत नहीं रह गया है. इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय तस्करी, संगठित अपराध, गैंगस्टर नेटवर्क और आतंकवादी गतिविधियों तक की कड़ियां जुड़ी हुई हैं. आसान कमाई का लालच, बेरोजगारी, गलत संगत, मानसिक तनाव और सोशल मीडिया के माध्यम से अपराधियों की बढ़ती पहुंच युवाओं को इस दलदल में धकेल रही है. पहले नशे का सेवन, फिर तस्करी और अंततः अपराध की दुनिया में प्रवेश का यह सिलसिला समाज के लिए गंभीर खतरा बन चुका है. चिंता की बात यह है कि नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता. इससे परिवार टूटते हैं, शिक्षा प्रभावित होती है, अपराध बढ़ते हैं और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है. एक नशेड़ी युवा केवल अपना भविष्य नहीं खोता, बल्कि पूरे परिवार की उम्मीदों को भी समाप्त कर देता है. इसलिए इस समस्या को केवल कानून-व्यवस्था का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा.

सरकार की जिम्मेदारी यहां सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है. सीमाओं पर मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए आधुनिक तकनीक, खुफिया तंत्र और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है. नशा बेचने वाले बड़े गिरोहों और उनके आर्थिक नेटवर्क पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए. केवल छोटे तस्करों की गिरफ्तारी से समस्या का समाधान नहीं होगा. इस अवैध कारोबार की पूरी श्रृंखला को तोड़ना होगा. साथ ही, नशे के शिकार युवाओं को अपराधी नहीं बल्कि उपचार और पुनर्वास की आवश्यकता वाले नागरिक के रूप में भी देखना होगा.

प्रत्येक जिले में प्रभावी नशा मुक्ति केंद्र, मनोवैज्ञानिक परामर्श, कौशल विकास और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए. जो युवा मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, उन्हें दूसरा अवसर मिलना ही चाहिए. लेकिन केवल सरकार के प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे. परिवारों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक संगठनों और समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी. माता-पिता को बच्चों के व्यवहार में आने वाले बदलावों पर ध्यान देना चाहिए. स्कूलों और कॉलेजों में नियमित जागरूकता अभियान, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना होगा, ताकि युवाओं की ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लग सके.

नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल पुलिस की नहीं, पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है. यदि आज हमने अपनी युवा पीढ़ी को इस दलदल से बाहर निकालने में सफलता प्राप्त कर ली, तो वही युवा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी शक्ति बनेंगे. राष्ट्रनिर्माण का मार्ग नशे से नहीं, शिक्षा, रोजगार, संस्कार और अवसरों से होकर गुजरता है. अब समय आ गया है कि नशे के खिलाफ अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन आंदोलन बनाया जाए. तभी भारत अपनी युवा शक्ति को सुरक्षित रख सकेगा और भविष्य का मजबूत राष्ट्र बन सकेगा.

मध्य क्षेत्र की डायरी

सहकारिता से राजनीति

दिलीप झा

जबसे सहकारिता मंत्रालय का केंद्रीय कमान अमित शाह के हाथ में आई है तब से मध्य प्रदेश की सहकारिता राजनीति में एक नया उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ है। उन्होंने पिछले साल भोपाल में एक कार्यक्रम में सहकारिता को मजबूत बनाने और किसानों की माली हालत सुधारने को लेकल व्यापक रणनीति तैयार की थी। सहकारिता के क्षेत्र में सैकड़ों करोड़ निवेश के प्रस्ताव भी मिले हैं। सहकारिता विभाग की गतिविधियों का मुख्य आधार चार हजार से ज्यादा सहकारी संस्थाएं हैं। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से मध्यप्रदेश में वर्षों से जबर्दस्त राजनीति होती रही है। इसलिए कांग्रेस फिर उस तरह की राजनीति को अपनाने जा रही है जो उसे सत्ता तक पहुंचा सके। अब देखने वाली बात होगी कि कांग्रेस अपनी इस योजना को परवान चढ़ाने में कितना सफल हो पाती है. आगामी सहकारी समितियों के चुनावों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण 'सहकारिता समन्वय समिति' का गठन किया है, जिसे राजनीतिक गलियारों में 'सात रत्नों की टीम' के रूप में देखा जा रहा है। ये सात सदस्य न केवल अनुभवी राजनेता हैं, बल्कि सहकारिता आंदोलन की आत्मा से गहराई से जुड़े हुए दिग्गज हैं। इस समन्वय समिति के सफल गठन में मध्य प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व की दूरदर्शी भूमिका अत्यंत सराहनीय है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपनी सक्रियता और समन्वय क्षमता का परिचय देते हुए इन अनुभवी दिग्गजों को एक मंच पर लाने का कार्य किया है। उनके इस निर्णय ने न केवल पार्टी में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है, बल्कि यह भी स्पष्ट किया है कि कांग्रेस सहकारिता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को लेकर कितनी गंभीर और संवेदनशील है। समिति के संयोजक के रूप में चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी की नियुक्ति को एक अत्यंत रणनीतिक और सराहनीय निर्णय माना जा रहा है। द्विवेदी का सहकारिता आंदोलन से नाता अत्यंत गहरा और ऐतिहासिक है। उन्हें इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपे जाने के पीछे कई ठोस कारण हैं।

ऐतिहासिक अनुभव- उन्होंने सहकारिता के पुरोधा स्व. सुभाष यादव के साथ साये की तरह रहकर इस आंदोलन को जमीनी मजबूती दी है। एपेक्स बैंक और मार्कफेड जैसी संस्थाओं में उनकी सक्रिय भागीदारी रही है, जिससे उन्हें सहकारिता के कामकाज का गहरा अनुभव है। उन्हें सहकारिता के क्षेत्र में पाँच देशों की विदेश यात्राओं का अनुभव प्राप्त है, जो उन्हें आधुनिक और वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

नेतृत्व क्षमता- उनकी निष्ठा, कार्यकुशलता और सहकारिता के प्रति अटूट समर्पण ही है कि उन्हें इस महत्वपूर्ण सात सदस्यीय टीम का 'संयोजक' बनाकर पार्टी ने भविष्य के बड़े लक्ष्यों को साधने का संकल्प लिया है।

सात रत्न और उनकी क्षमता

समिति में शामिल प्रत्येक सदस्य की अपनी अनूठी कार्यक्षमता और अनुभव है, जो उन्हें सहकारिता के क्षेत्र का वास्तविक रत्न बनाता है :-

अरुण यादव : म.प्र. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के रूप में उनकी संगठनात्मक क्षमता और किसानों के मुद्दों को मुखरता से उठाने का कौशल किसी से छिपा नहीं है।

अशोक सिंह : राज्यसभा सांसद और एपेक्स बैंक के पूर्व अध्यक्ष के रूप में उन्होंने वित्तीय और सहकारी प्रबंधन की जो गहरी समझ विकसित की है, वह इस चुनाव में पार्टी के लिए अमूल्य है।

डॉ. गोविंद सिंह : पूर्व सहकारिता मंत्री के रूप में उनका दीर्घकालीन अनुभव और प्रशासन पर पकड़ समिति को एक सशक्त और अनुभवी दिशा प्रदान करती है।

भगवान सिंह यादव : पूर्व मंत्री के रूप में उनके पास ग्रामीण विकास और सहकारी ढांचे का व्यापक अनुभव है, जो कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

भंवर सिंह शेखावत : एक अनुभवी विधायक के तौर पर वे जमीनी हकीकत और चुनावी रणनीतियों के माहिर खिलाड़ी हैं।

चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी : सहकारिता आंदोलन का गहरा अनुभव रखने वाले एक कुशल रणनीतिकार।

वीरेन्द्र गिरी गोस्वामी : पूर्व अध्यक्ष, म.प्र. राज्य वन उपज संघ के रूप में उनकी कार्यशैली और सहकारिता में लंबी निष्ठा उन्हें अत्यंत विश्वसनीय बनाती है।

कांग्रेस एक सशक्त भविष्य की रखने जा रही नींव

पार्टी का स्पष्ट उद्देश्य इन अनुभवी हाथों के माध्यम से संगठन की विचारधारा को मजबूती प्रदान करना और किसानों के हितों एवं सहकारिता व्यवस्था को सशक्त बनाना है। इन 'सात रत्नों' के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी सहकारिता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह समिति निश्चित रूप से राज्य में सहकारिता आंदोलन को आधुनिक युग की चुनौतियों के अनुरूप पुनर्जीवित और सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए यह एक नई शुरुआत है, जो आगामी चुनावों में सकारात्मक परिणामों की नींव रखेगी।

एमएसएमई दिवस पर विशेष

विकसित भारत के लिए डिजिटल सेतु

शोभा करंदलाजे

> इस वर्ष का एमएसएमई दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं है, बल्कि डिजिटल बदलाव के एक नए दौर की शुरुआत भी है।भारत अब अपनी डिजिटल व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है. पीएमईजीपी 2.0 पोर्टल आवेदन से लेकर अनुदान मिलने तक की पूरी प्रक्रिया को और सरल बनाएगा. एमएसएमई समाधान 2.0 बकाया भुगतान के मामलों का और तेजी से निपटारा करेगा।वहीं, एमएसएमई ग्लोबल मार्ट 2.0 एक सरकारी सहयोग वाला ऑनलाइन बाजार होगा, जो ओएनडीसी व्यवस्था से जुड़ा रहेगा. इसके माध्यम से छोटे उद्यम एक-दूसरे के साथ और सीधे ग्राहकों को भी अपने उत्पाद बेच सकेंगे, साथ ही वैश्विक बाजार तक पहुंच बना सकेंगे.

एक दशक पहले किसी भी सरकारी जिला कार्यालय में जाइए. वहां कागजों की फाइलों का ढेर, काम के बोझ से परेशान कर्मचारी और पंजीकरण प्रमाणपत्र या भुगतान विवाद के निपटारे के लिए कई दिनों, कभी-कभी कई हफ्तों तक इंतजार करते उद्यमी आम दृश्य हुआ करते थे. आज देश के किसी भी कोने में बैठा एक कारीगर अपने मोबाइल से कुछ ही मिनटों में अपना उद्यम पंजीकृत कर सकता है, अपने उत्पादों को राष्ट्रीय ऑनलाइन बाजार में बेचने के लिए सूचीबद्ध कर सकता है और अपनी कार्यशाला से बाहर निकले बिना बकाया भुगतान की शिकायत भी दर्ज करा सकता है.

यह केवल प्रशासनिक सुविधा नहीं, बल्कि व्यवस्था में आया एक बड़ा बदलाव है. भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) देश की अर्थव्यवस्था का छोटा हिस्सा नहीं हैं. वर्ष 2026 के एमएसएमई दिवस पर यह समझना जरूरी है कि इनका योगदान कितना बड़ा है. ये देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 31.1 प्रतिशत, विनिर्माण उत्पादन में 35 प्रतिशत से अधिक और कुल निर्यात में लगभग 48.58 प्रतिशत का योगदान देते हैं. साथ ही, ये लगभग 38 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराते हैं, जो दुनिया के अधिकांश देशों की कुल आबादी से भी अधिक है. इसके बावजूद, कई दशकों तक ये उद्यम औपचारिक व्यवस्था से दूर रहे. इन्हें संस्थागत ऋण आसानी से नहीं मिला, बड़े सरकारी और निजी खरीद बाजारों तक पहुंच सीमित रही और जटिल नियम-कायदों का सामना करना पड़ा, जिनका लाभ अक्सर बड़े उद्योगों को मिलता था. अब स्थिति तेजी से बदल रही है. एमएसएमई के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए कई डिजिटल पोर्टल शुरू किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक उनकी किसी खास समस्या का समाधान करता है. इन पहलों ने सरकार और छोटे उद्यमियों के बीच संबंधों को पूरी तरह बदलना शुरू कर दिया है.

सबसे बड़ी और बुनियादी समस्या यह थी कि बिना औपचारिक पंजीकरण के कोई भी उद्यम सरकारी योजनाओं, बैंक ऋण या सरकारी ठेकों का लाभ नहीं ले सकता था. उद्यम पोर्टल पर कागजरहित, आधार आधारित सत्यापन और स्व-घोषणा की व्यवस्था ने पहले की लंबी और जटिल प्रक्रिया को कुछ ही मिनटों की ऑनलाइन प्रक्रिया में बदल दिया. आज 8.7 करोड़ उद्यम इस पोर्टल के माध्यम से औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुके हैं. उभरती अर्थव्यवस्थाओं के इतिहास में इतने बड़े स्तर पर औपचारिक पंजीकरण का यह एक दुर्लभ उदाहरण है. लेकिन केवल औपचारिक पंजीकरण ही पर्याप्त नहीं है. यदि सबसे छोटे और कमजोर उद्यम इससे बाहर रह जाएं, तो इसका पूरा लाभ नहीं मिल सकता. इसी उद्देश्य से उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म शुरू किया गया. यह उन सूक्ष्म और अनौपचारिक उद्यमों के लिए बनाया गया है, जिनके पास सामान्य पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज नहीं थे. आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार, इस मंच पर अब तक 3.28 करोड़ ऐसे उद्यम जुड़ चुके हैं. इससे पहली बार लाखों छोटे कारोबार सरकारी सहायता और योजनाओं की पहुंच में आए हैं, जो पहले किसी भी सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज नहीं थे.

पहले छोटे उद्यमों के लिए ग्राहकों तक पहुंच बनाना आसान नहीं था. यह अक्सर भौगोलिक दूरी, सीमित संपर्कों और सरकारी खरीद की जटिल प्रक्रियाओं पर निर्भर करता था।सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) ने इस व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया. यह एक पारदर्शी ऑनलाइन मंच है, जहां कोई भी पंजीकृत एमएसएमई सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को सीधे सामान और सेवाएं बेच सकता है. इससे सरकारी खरीद प्रणाली अधिक खुली और सभी के लिए समान अवसर वाली बन गई है।आज जेम पर 11.14 लाख से अधिक एमएसएमई विक्रेता पंजीकृत हैं. इनमें 2.03 लाख महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले और 61 हजार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के स्वामित्व वाले उद्यम शामिल हैं. जेम के माध्यम से अब तक 18.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी खरीद हो चुकी है. यह केवल कारोबार का आंकड़ा नहीं है, बल्कि लाखों लोगों की आजीविका, छोटे उद्यमों की मजबूती और आपूर्ति श्रृंखला के विस्तार का भी प्रमाण है.

(लेखक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री हैं.)

विभिन्न चुनौतियों से जूझ रही एसटी

पिछले 15 महीनों में एसटी महामंडल ने यात्री किराए में 25 फीसदी से ज्यादा वृद्धि की है. इसके अलावा अप्रैल माह से हर प्रवासी के टिकट पर 2 रुपए स्वच्छता अधिभार वसूला जा रहा है. एसटी महामंडल का कहना है कि डीजल दरों में वृद्धि की वजह से 300 करोड़ रुपए का बोझ आया है जबकि तेल कंपनियों की ओर से एसटी को 3 रुपए प्रति लीटर की रियायत दी गई है. एसटी अभी भी कितनी ही पुरानी बसें चला रही हैं जिन्हें बदला जाना चाहिए. एसटी की अपनी कमजोरियों की वजह से निजी ट्रॅवल्स की बसों को बढ़ावा मिला है. प्रतिस्पर्धा में टिके रहने के लिए एसटी को अपना प्रबंधन सुधारना होगा. जहां तक मेंटनेंस खर्च की बात है, वह लगा ही रहता है. डीजल, टायर व चेसिस के दाम में वृद्धि की वजह बताकर एसटी महामंडल ने 24 जनवरी 2025 को 14.5 प्रतिशत यात्री किराया बढ़ाया था. राज्य परिवहन महामंडल का संचित घाटा 12,000 करोड़ रुपए बताया जाता है. उसके 31 विभागों में से केवल 10 विभाग फायदे में तथा 21 विभाग घाटे में चल रहे हैं. इसे देखते हुए घाटे के कारणों का पता लगाना, अनावश्यक खर्च में कटौती करना तथा सख्त उपाययोजना लागू करना जरूरी है अन्यथा स्थिति में सुधार होना मुश्किल है. कुछ मदों पर खर्च बढ़ना स्वाभाविक है जैसे कि अभी एसटी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में वृद्धि की गई है. तेल कंपनियों द्वारा डीजल के दाम बढ़ाए जाने से घाटा बढ़ा है तो यह भी सवाल उठता है कि जब कच्चे तेल या क्रूड के दाम गिर जाते हुं हैं तो तेल कंपनियां पेट्रोल-डीजल के दाम क्यों नहीं घटातीं? यदि ऐसा हो तो उसका लाभ उपभोक्ता को मिल सकता है. एसटी को महाराष्ट्र की जीवनरेखा माना जाता है. 'जहां गांव वहां एसटी' सिर्फ नारा नहीं है. जिन ग्रामीण क्षेत्रों में निजी ट्रैवल्स बसें नहीं जातीं वहां एसटी की गाड़ियां जाती हैं. ग्रामीण जनता की आय बहुत सीमित है इसे देखते हुए एसटी अपना किराया युक्तिसंगत रखे तो उपयुक्त होगा.

निशानेबाज

कैसी आशंका और कैसा डर आपके घर लगेगा स्मार्ट मीटर

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, यह बताइए कि लोग स्मार्ट फोन तो मजे से अपने पास रखते हैं लेकिन बिजली के स्मार्ट मीटर का विरोध क्यों कर रहे हैं? क्या वह चाहते हैं कि मीटर डल, धीमा, सुस्त और आकर्षणविहीन बना रहे और स्मार्ट न होने पाए.'

हमने कहा, 'लोग यदि स्मार्ट मीटर के विरोध में मोर्चा निकाल रहे हैं तो उसकी जरूर कोई वजह होगी. प्रीपेड स्मार्ट मीटर पर खर्च होनेवाले 40,000 करोड़ रुपए जनता की जेब से जाएंगे. राज्य के विद्युत उपभोक्ताओं के घर, कार्यालय, दुकान में 25,65,000 स्मार्ट मीटर लगाए जानेवाले हैं. आरोप है कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर योजना अदाणी, टाटा पॉवर, रिलायंस टोरंट जैसी निजी कंपनियों का हित साधने के लिए जबरन लागू की जा रही है. स्मार्ट मीटर लगाने के बाद बिल भी ज्यादा रकम का आएगा. जब मीटर स्मार्ट है तो जोर से भागेगा.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, पुराने मीटर में कौन सी बुराई या कमी थी जो उसे बदलकर स्मार्ट मीटर लाया जा रहा है?' हमने कहा, 'सरकार कोई नई चीज देना चाहती है तो उसे प्रेम से स्वीकार कीजिए. जैसे लोग नए मकान में रहने जाते हैं, नई गाड़ी खरीदते हैं, खाने में नई रेसिपी आजमाते हैं, नेता नई पार्टी ज्वाइन करते हैं, वैसे ही आप भी नया स्मार्ट मीटर ले लीजिए. पुराने कपड़ों के समान पुराना मीटर त्याग दीजिए. अब ओल्ड इज गोल्ड वाली कहावत भूल जाइए.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, अभी ग्राहकों को बिजली बिल भरने के लिए 21 दिन की मोहलत दी जाती है. प्रीपेड मीटर से यह सुविधा नहीं मिल पाएगी. नोटिस न देते हुए बिजली सप्लाई बंद की जा सकती है. बिल भरने के बाद भी 3 से 7 दिन बिजली बंद रह सकती है.'

हमने कहा, 'पहले से आशंका मत रखो. स्मार्ट मीटर आजमा कर तो देखो. आपने शम्मी कपूर पर फिल्माया गया गीत सुना होगा- 'मुझे अपना यार बना लो फिर हो जाऊं संसार का, अरे आजमा के देखो, दिल कैसा है दिलदार का!' जब आपके यहां बिजली का स्मार्ट मीटर लगे तो उसका पुष्पमाला पहनाकर और नारियल फोड़कर स्वागत कीजिए. इस तरह की बेढ़ब स्कीम को कहते हैं- सरकार आपके द्वार! आप स्मार्ट मीटर को देखकर यह नहीं कह सकते डोन्ट ट्राई टु बी स्मार्ट विद मी अर्थात मुझसे चालबाजी मत करो!'

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12301 - डॉ. सागर खादीवाला

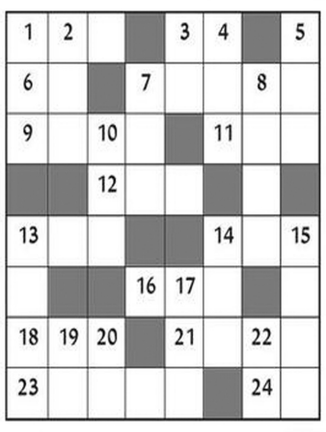

विवेकशील (सं.) 3. क्रांति, प्रभा, तेज 4. पशु या पक्षी का बच्चा 5. शऊर, ढंग, तरीका 7. धारा रूप में बहना (सं) 8. ठाटबाट पूर्ण 10. शलभ संबंधी 13. जलाना, दहकाना 14. गांजे के वृक्ष का गोंद जिसे नशेबाज पीते हैं 15. ईश्वर 17. दूर करना, हटाना, जिसकी वस्तु हो उसकी इच्छा के विरुद्ध लेना 19. मृत्यु के देवता, दो की संख्या (सं) 20. बगुला, कुबेर, सफेद (सं) 22. लक्ष्मी,

बाएं से दाएं

1.खुश, हर्षयुक्त, कृपालु (सं.) 3.उम्मीद, आस 6. उबाला हुआ चावल 7. असरदार 9. वह विद्या जिसमें प्रतिपादित सिद्धांतों का खंडन-मंडन होता है 11. छोटे कण 12. नमक, क्षार 13. सहज में प्राप्त हो जाने वाला 14. आयुर्वेद के एक प्राचीन आचार्य या उनके द्वारा प्रणीत ग्रंथ 16. पुर, नगर 18. लुप्त, अंतर्धान 21. जीभ 23. नाम रखने का काम या संस्कार 24. मित्र, प्रेमी

ऊपर से नीचे

1. प्रातःकाल, सवेरा (सं.) 2. सावधान, सचेत, तर्कपूर्ण,

Solution 12300

सु	र	भि	त		सं	ता	न
ता	व		म		ग	ज	क
		क	स	र	त		फू
मृ	ग	या			रा	व	ल
गी		म	ति		रा	शी	
	उ	त	र	ना		क	र्म
क	ड़ा		प	र	मा	र	
थ	का	व	ट		चा	ण	क्य

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में यात्रा होगी, पद एवं स्थान परिवर्तन के योग हैं, शारीरिक कष्ट का सामना करना पडेगा, भौतिक सुख प्राप्त होगा, उत्तरदायित्वों को सम्हालने की आवश्यकता है, वर्ष के मध्य में व्यापार के क्षेत्र में सफ्लता प्राप्त होगी, यात्रा से कष्ट होगा, वर्ष के अन्त में विवाद एवं मतभेद हो सकते हैं, आय में सुधार होगा, भाईयों का सहयोग रहेगा.

मेष और वृश्चिक वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के लिये रचनात्मक प्रयास सार्थक होंगे, भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को यात्रा का योग है, दाम्पत्य जीवन में कलह की स्थिति न आने दें, सिंह राशि के व्यक्तियों को कार्यो में वृद्धि होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को दिनचर्या में व्यवधान आयेगा, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को राजनीतिक गतिविधियों में वृद्धि होगी, पद एवं प्रभाव बना रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, बड़े नेत्रों वाला शरीर से कोमल एवं मन में भावुक होगा. स्वास्थ्य में कुछ नरम गरम रहेगा, अपनी इच्छानुसार कार्य करेगा, दूसरों को शीघ्र अपनी ओर आकर्षित करेगा. प्रवास का शौकीन होगा.

मेष- संतान संबंधी शुभ समाचार प्राप्त होने के योग हैं. लेखन, अध्ययन के प्रति रूचि रहेगी. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा.

वृषभ- अज्ञात भय एवं चिन्ता रहेगी. उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा. इच्छा के अनुसार कामकाज की अधिकता रहेगी. निजी दायित्व बढ़ेंगे.

मिथुन- जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद होगा. शत्रुओं का पराक्रम बढ़ेगा. कामकाज की अधिकता रह सकती है. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

कर्क- खानपान की अनियमितता बनी रहेगी. शारीरिक कष्ट होगा. जोखिम कार्यों में उत्साह बना रहेगा. जधनु, जायजाद के कार्य लाभदायक रहेंगे.

सिंह- मानसिक सुख एवं प्रसन्नता रहेगी. विशिष्टजनों से समाचार मिलेगा. नये कार्यों में उत्साह बना रहेगा. जमीन, जायजाद के कार्य लाभदायक रहेंगे

कन्या- आजीविका प्रयासों में सफ्लता मिलेगी. माता पिता का सुख मिलेगा. दायित्वों की पूर्ति होगी. पद, प्रतिष्ठा, सम्मान में वृद्धि होगी.

तुला- स्थायी एवं अन्य साधनों की प्राप्ति होगी. सामाजिक प्रभाव रहेगा. मित्रों एवं अधिकारियों की मदद मिलेगी. रचनात्मक कार्य बनेगा.

वृश्चिक- आकस्मिक खर्च में वृद्धि होगी. दैनिक कार्य में व्यवधान आ सकता है. निजी पुरूषार्थ बना रहेगा. दूरगामी परिणाम सामने आ सकता है.

धनु- शासकीय पक्ष आपके अनुकूल रहेगा. इच्छानुसार सभी कामकाज बनेंगे. दूरगामी परिणाम आपके पक्ष में होंगे. साहसिक पराक्रम बना रहेगा. लाभ होगा.

मकर- मानसिक सुख एवं प्रसन्नता रहेगी. विशिष्टजनों का सहयोग मिलेगा. नवीन कार्यों के प्रति सचेत रहें. मित्र वर्ग संतुष्ट रहेंगे. संयम से कार्य करें

कुम्भ- पारिवारिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. व्यापार व्यवसाय अच्छा चलेगा. सामाजिक सेवा में वृद्धि होगी. दूर की यात्रा होगी.

मीन- सुख सुविधाओं में विघ्न बाधा उपस्थित होगी. प्रियजनों के कारण पीड़ा हो सकती है. व्ययभार बढ़ेगा. निजी कामकाज बनेगा. धैर्य से कार्य करें.

उदयकालीन ग्रह चाल

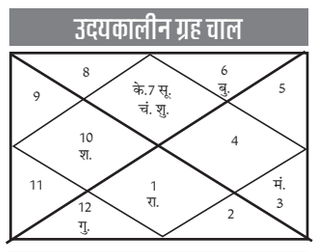

पंचांग

रा.मि. 06 संवत् 2083 शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी शनिवासरे रात 12/35, अनुराधा नक्षत्रे रात 10/54, साध्य योगे दिन 2/4, कौलव करणे सू.उ. 5/13, सू.अ. 6/47, चन्द्रचार वृश्चिक, पर्व- शनि प्रदोष व्रत, शु.रा. 8, 10, 11, 2, 3, 6 अ.रा. 9, 12, 1, 4, 5, 7 शुभांक- 0, 3, 7.

व्यापार भविष्य

शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी को अनुराधा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी के भाव में तेजी होगी. पीतल, तांबा, लोहा, शेयर, रूई, कपास, सन, जूट, पाट, बारदाना में तेजी होगी. हल्दी, सौंप, मिर्च, मजीट में तेजी का योग है. भाग्यांक- 7110 है.

SUDOKU 7433

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7432

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5